भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1562

29 जुलाई, 2025 को उत्तरार्थ

विषय: मोटा अनाज के उत्पादों की मांग और उनका उत्पादन

1562. श्री बंटी विवेक साहू:

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास देश और विदेश में मोटा अनाज (श्रीअन्न) की मांग को दर्शाने वाले आंकड़े हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) देश और विश्व स्तर पर मोटा अनाज (श्रीअन्न) और उनके उत्पादों के प्रति उपभोक्ता जागरूकता और मांग बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए/उठाए जा रहे हैं; और

(ग) मध्य प्रदेश में मोटा अनाज (श्रीअन्न) के उत्पादन और उनके उत्पादों की स्थिति क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क): राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्था (नीति आयोग) द्वारा गठित कार्य समूह ने फसल उत्पादन, कृषि इनपुट, मांग और आपूर्ति, 2024 पर अपनी रिपोर्ट में पोषक अनाजों की मांग और आपूर्ति का आकलन किया है।

व्यवसाय के सामान्य परिदृश्य में, अर्थात भविष्य में भी हालिया आर्थिक वृद्धि (6.34%) जारी रहने पर, वर्ष 2025-26 में पोषक-अनाजों की अनुमानित मांग 20 मिलियन टन है।

इसके अतिरिक्त, वर्ष 2024-25 के दौरान 74.33 हजार टन श्रीअन्न विदेशों में निर्यात किया गया।

(ख): सरकार ने देश और विश्व स्तर पर श्रीअन्न और इसके उत्पादों के बारे में उपभोक्ताओं की जागरूकता और मांग बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं:

(i) भारत के प्रस्ताव के बाद, जिसे 70 से ज़्यादा देशों ने समर्थन दिया था, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मार्च 2021 में अपने 75वें सत्र में, वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट (श्रीअन्न) वर्ष घोषित किया। वर्ष भर चले इस उत्सव ने श्रीअन्न के सेवन के पोषण और स्वास्थ्य लाभों, प्रतिकूल और बदलती जलवायु परिस्थितियों में श्रीअन्न की खेती के लिए उपयुक्तता, और उत्पादकों व उपभोक्ताओं के लिए सतत बाज़ार अवसर सृजित करने के लाभों के बारे में सफलतापूर्वक जागरूकता बढ़ाई।

(ii) भारत द्वारा की गई मेजबानी के दौरान, मार्च 2023 में नई दिल्ली में दो दिवसीय वैश्विक मिलेट (श्रीअन्न) सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें 102 से अधिक देशों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। अंतर्राष्ट्रीय मिलेट (श्रीअन्न) सम्मेलन 2023 को समर्पित इस वैश्विक सम्मेलन में श्रीअन्न से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई, जिसमें श्रीअन्न उत्पादन और उपभोग, पोषण संबंधी लाभ, मूल्य श्रृंखला विकास, बाज़ार संबंध और अनुसंधान एवं विकास शामिल थे।

(iii) खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएसएफपीआई) का एक घटक श्रीअन्न-आधारित उत्पादों (एमबीपी) पर केंद्रित है, जिसका परिव्यय 800 करोड़ रुपये है। श्रीअन्न-आधारित उत्पादों के लिए पीएलआई योजना (पीएलआईएसएमबीपी) का उद्देश्य खाद्य उत्पादों में श्रीअन्न के उपयोग को बढ़ाना और घरेलू एवं निर्यात दोनों बाजारों में चुनिंदा श्रीअन्न-आधारित उत्पादों के विनिर्माण और बिक्री को प्रोत्साहित करके उनके मूल्यवर्धन को बढ़ावा देना है। आज तक, पीएलआईएसएमबीपी के लिए आवंटित कुल 800 करोड़ रुपये में से, 29 आवेदकों को प्रोत्साहित करने के लिए 793.27 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, जिनमें 8 बड़ी और 21 लघु एवं मध्यम उद्यम शामिल हैं।

(iv) अंतर्राष्ट्रीय मिलेट (श्रीअन्न) वर्ष (आईवाईओएम 2023) के एक भाग के रूप में, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमियों, विशेष रूप से श्रीअन्न उत्पादों के प्रसंस्करण में लगे उद्यमियों को सहायता प्रदान करने हेतु विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के 30 जिलों में "मिलेट (श्रीअन्न) महोत्सव" का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य स्टार्ट-अप्स, उद्यमियों को बढ़ावा देना और खाद्य उद्योग के माइक्रो सेक्टर को बढ़ावा देना था।

(v) इसके अतिरिक्त, वाणिज्य विभाग (डीओसी) ने कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के माध्यम से श्रीअन्न के बारे में जागरूकता, उपयोग और निर्यात संवर्धन के लिए व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों और श्रीअन्न सम्मेलनों का आयोजन किया। आईवाईओएम 2023 के अंतर्गत, वाणिज्य विभाग द्वारा एपीडा के माध्यम से भारतीय दूतावासों/मिशनों और सरकारी विभागों के साथ मिलकर कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों में श्रीअन्न पर आधारित भागीदारी, सैंपलिंग कार्यक्रम, श्रीअन्न गैलरी, अंतर्राष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता बैठकें आदि शामिल थीं। प्रमुख व्यापार मेलों के दौरान प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय मिलेट-श्री अन्न के प्रचार और ब्रांडिंग के लिए प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अभियान भी इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन के सहयोग से शुरू किया गया था।

(vi) वैश्विक खाद्य कार्यक्रम "वर्ल्ड फ़ूड इंडिया 2023" का आयोजन 3 से 5 नवंबर, 2023 के दौरान नई दिल्ली में किया गया, जिसमें श्रीअन्न प्रमुख फोकस क्षेत्रों में से एक था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय उत्पादकों/प्रसंस्करणकर्ताओं/संस्थानों को वैश्विक स्टेकहोल्डर्स के साथ सहयोग और साझेदारी के लिए एक प्लेटफार्म प्रदान करना था।

(vii) खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय अपनी केंद्रीय क्षेत्रक प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई) योजना, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएसएफपीआई) और देश भर में केंद्र प्रायोजित पीएम फॉर्मेलिजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग इंटरप्राइजेज़ (पीएमएफएमई) योजना के माध्यम से श्रीअन्न आधारित उत्पादों के प्रसंस्करण सहित खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना/विस्तार को प्रोत्साहित कर रहा है।

(ग): वर्ष 2024-25 के दौरान मध्य प्रदेश में कुल श्रीअन्न उत्पादन (तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार) 11.46 लाख टन अनुमानित है।

*****